Funding provided by the United States Government

JUSTICE VENTURES international project JVI

Strengthening Ventures that Promote Justice

Let justice roll on like a river, righteousness like a never failing stream.

स्वक्रूत्र व्रहव्रघ ड्व्र १ त्रच्क्रूक्ष् ष्

भारत

- जबरन श्रम और यौन शोषण के शिकार पुरुषों/महिलाओं/बच्चों के लिए भारत एक स्रोत, गंतव्य और पारगमन देश है (यूएस टीआईपी रिपोर्ट, 2017)।
- 7-17 वर्ष की आयु के 12.9 मिलियन बच्चे मानव व्यापार के शिकार हैं (ILO).
- पुरुषों की तुलना में महिलायों के मानव व्यापार की संभावना अधिक है (एनसीआरबी इंडिया, 2016)।
- जबरन श्रम और वाणिज्यिक यौन शोषण भारत में मानव व्यापार के दो सबसे सामान्य रूप/उद्देश्य हैं (एनसीआरबी इंडिया, 2016).
- 159 आरोपी व्यक्तियों को मानव व्यापार से सम्बंधित अपराध करने के लिए दोषी ठहराया गया था; 163 मामलों को अदालत ने सत्य पाया (एनसीआरबी इंडिया, 2016).
- 15,379 पीड़ितों को 2016 में मानव व्यापार के अपराधों में पीड़ित पाया गया (एनसीआरबी इंडिया, 2016).

ग्लोबल

Justice Ventures international project JVI
Strengthening Ventures that Promote Justice

क्या तुम जानते हो

भारतीय कानून में मानव व्यापार की व्यापक परिभाषा क्या है?

भारतीय दंड संहिता की धारा 370

“जो भी, **ट्झ्ड्ऱ्** के उद्देश्य से, किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों का

(ए) भर्ती, (बी) परिवहन, (सी) शरण, (डी) स्थानान्तरण, या (ई) प्राप्त, निम्नलिखित कृत्यों के उपयोग से करता है , जैसे की —

- धमकियों का उपयोग करना, या
- बल प्रयोग, या किसी अन्य प्रकार के बल प्रयोग, या
- अपहरण द्वारा, या
- धोखाधड़ी, या धोखे का अभ्यास करके, या
- शक्ति के दुरुपयोग से

किसी व्यापारिक लाभ पाने हेतु किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के जबरन कार्य करता है तो वह मानव व्यापार का अपराध करता है।"

Justice Ventures international project
Strengthening Ventures that Promote Justice
JVI

आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम, 2013

संशोधित सेक. आईपीसी के 370 और संयुक्त राष्ट्र के तस्करी प्रोटोकॉल के आधार पर मानव व्यापार की भारत की पहली परिभाषा शामिल.

- **श्र् ग्व्र** - भर्ती, परिवहन, शरण, स्थानान्तरण या प्राप्ति
- **ल्घ्हड्व्र** - धमकी, जबरदस्ती, अपहरण, शक्ति का दुरूपयोग, प्रलोभन
- **क्ष्ड्$** - शोषण - "शारीरिक या यौन, दासता या दासता, दासता या अंगों को जबरन हटाने के समान व्यवहार”

पीड़ित की सहमति महत्वहीन है

Justice Ventures international project
Strengthening Ventures that Promote Justice
JVI

भारत में मानव व्यापार पर कानून

- **क्व्रघ्ल ड्व्र ढ्क्ष्य्रश्व्रष** : अनुच्छेद 23 मानव व्यापार और जबरन श्रम पर रोक लगाता है|
- बंधुआ मजदूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम.
- बाल और किशोर श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम.
- किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम.
- अंतरराज्यीय प्रवासी कामगार अधिनियम.

(ये सभी अधिनियम कई प्रकार के जबरन श्रम को दंडित करते हैं)

- **१ ष्प्र्क्ष्ड़ □व्र्ह्व्रघ्श्र्ञ्व्रघ्र् १श्र्१श्ष ग्र्ख्र** : वाणिज्यिक यौन शोषण के उद्देश्य से अवैध व्यापार के अधिकांश रूपों को अपराध घोषित करता है.
- **प्झ्न्स्र्व्र□व्रच्र १श्र्१श्ष ग्रख्र**: बाल तस्करी को परिभाषित करता है|

(भारतीय कानून में मानव व्यापार की व्यापक परिभाषा नहीं थी फरवरी 2013 तक)

अवैध व्यापार कैसे काम करता है

खरीदार पैसे से बाजार में ईंधन भरता है

व्यापारी उपयोग करते हैं

- पीड़ित
- डर
- हिंसा
- धमकी
- अपहरण

व्यापारी लुभाते हैं

* सुरक्षा
* नौकरी
* घर
* साहसिक
* प्यार, आदि

(अनुपालन सुनिश्चित करने और मांग को पूरा करने के लिए)

JUSTICE VENTURES international project JVI
Strengthening Ventures that Promote Justice

चुनौतियां

- अवैध व्यापार किए गए व्यक्तियों को पीड़ितों के रूप में पहचानने में विफलता.
- पीड़ितों के साथ अपराधियों के जैसा व्यवहार किया जाता है और असहज / शत्रुतापूर्ण वातावरण में रहते हैं .
- जांच और परीक्षण में देरी.
- मानव व्यापार के मामलों की सुनवाई के लिए कोई विशेष अदालत नहीं.
- कम गिरफ्तारी और अभियोजन दर; अपराधी की जवाबदेही प्राथमिकता होनी चाहिए.
- जटिल सामाजिक गतिशीलता.
- पीड़ितों और अभियोजन पक्ष के गवाहों से निपटने के लिए असंवेदनशीलता.

JUSTICE VENTURES international project
Strengthening Ventures that Promote Justice

धन्यवाद

Funding provided by the United States Government

JUSTICE VENTURES international project JVI

Strengthening Ventures that Promote Justice